सौर ऊर्जा से जगमग हुआ लोटस टेम्पल

120 किलोवॉट के सोलर पैनल्स का विद्युतीकरण हुआ, बचेंगे सालाना 15 लाख रूपये

नई दिल्लीः 19 अक्टूबर, 2015। दुनिया भर में मशहूर दक्षिण दिल्ली का लोटस टेम्पल अब सौर ऊर्जा से जगमगाएगा। नेट मीटरिंग प्रोजेक्ट के तहत वहां 120 किलोवॉट के सोलर पैनल्स का विद्युतीकरण किया गया है। इससे लोटस टेम्पल को न सिर्फ सौर ऊर्जा के पैनलों से बिजली मिलेगी, बल्कि बिजली बिल के रूप में उसे सालाना 15 लाख रूपये की बचत भी होगी।

गौरतलब है कि अब तक 11 स्कूलों समेत 47 स्थानों पर, बीएसईएस ने कुल 1192 किलोवॉट सौर ऊर्जा का विद्युतीकरण किया है। अन्य 121 आवेदनों पर अभी काम चल है, जिसके तहत 3730 किलोवॉट सौर ऊर्जा का विद्युतीकरण किया जाएगा।

जिन 11 स्कूलों ने बीएसईस से सौर ऊर्जा नेट मीटरिंग के कनेक्शन लिए हैं, उनमें प्रमुख हैं– टैगोर इंटरनैशनल स्कूल, न्यू एरा पब्लिक स्कूल, फादर एग्नेल स्कूल, वेंकटेश्वर स्कूल, भटनागर इंटरनेशनल स्कूल, सेंट सेसीलियाज पब्लिक स्कूल, ईस्ट पॉइंट स्कूल, विवेकानंद पब्लिक स्कूल और एम एस मुखर्जी मेमोरियल स्कूल।

बीएसईएस राजधानी और बीएसईएस यमुना ने नेट मीटरिंग प्रोजेक्ट के तहत, जिन लोगों व संस्थाओं के रूफ टॉप सोलर पैनल्स का विद्युतीकरण किया है, उनमें 1.8 किलोवॉट से 250 किलोवॉट तक सैंक्शंड लोड वाले कनेक्शन हैं। उन उपभोक्ताओं को उनके बिजली– लोड के हिसाब से, सालाना 21,600 रूपये से लेकर 31,20,000 रूपये तक की बचत हो रही है।

दरअसल, नेट मीटरिंग प्रोजेक्ट के तहत, उपभोक्ताओं की छतों पर लगे सोलर पैनलों से मिलने वाली सौर ऊर्जा को सामान्य बिजली में बदला जाता है, और फिर उसे ग्रिड से जोड़ा जाता है। इसके बाद, सौर ऊर्जा से मिली बिजली को ग्रिड के माध्यम से उपभोक्ताओं को सप्लाई की जाती है।

यह व्यवस्था, डीईआरसी के रूफ टॉप सोलर नेट मीटरिंग पॉलिसी का हिस्सा है। अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए डीईआरसी ने हाल ही में यह पॉलिसी जारी की थी। उसके बाद से, बीएसईएस डिस्कॉम्स लगातार सौर ऊर्जा को बड़े पैमाने पर उपभोक्ताओं के बीच प्रचारित कर रही हैं, और उन्हें इसके फायदों के बारे में जागरूक कर रही है।

उपभोक्ताओं को जल्द से जल्द नेट मीटरिंग सौर ऊर्जा के कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए बीएसईएस डिस्कॉम्स ने एक सेट्रलाइज्ड टीम का भी गठन किया है।

Follow us on Facebook: www.facebook.com/bsesdelhi